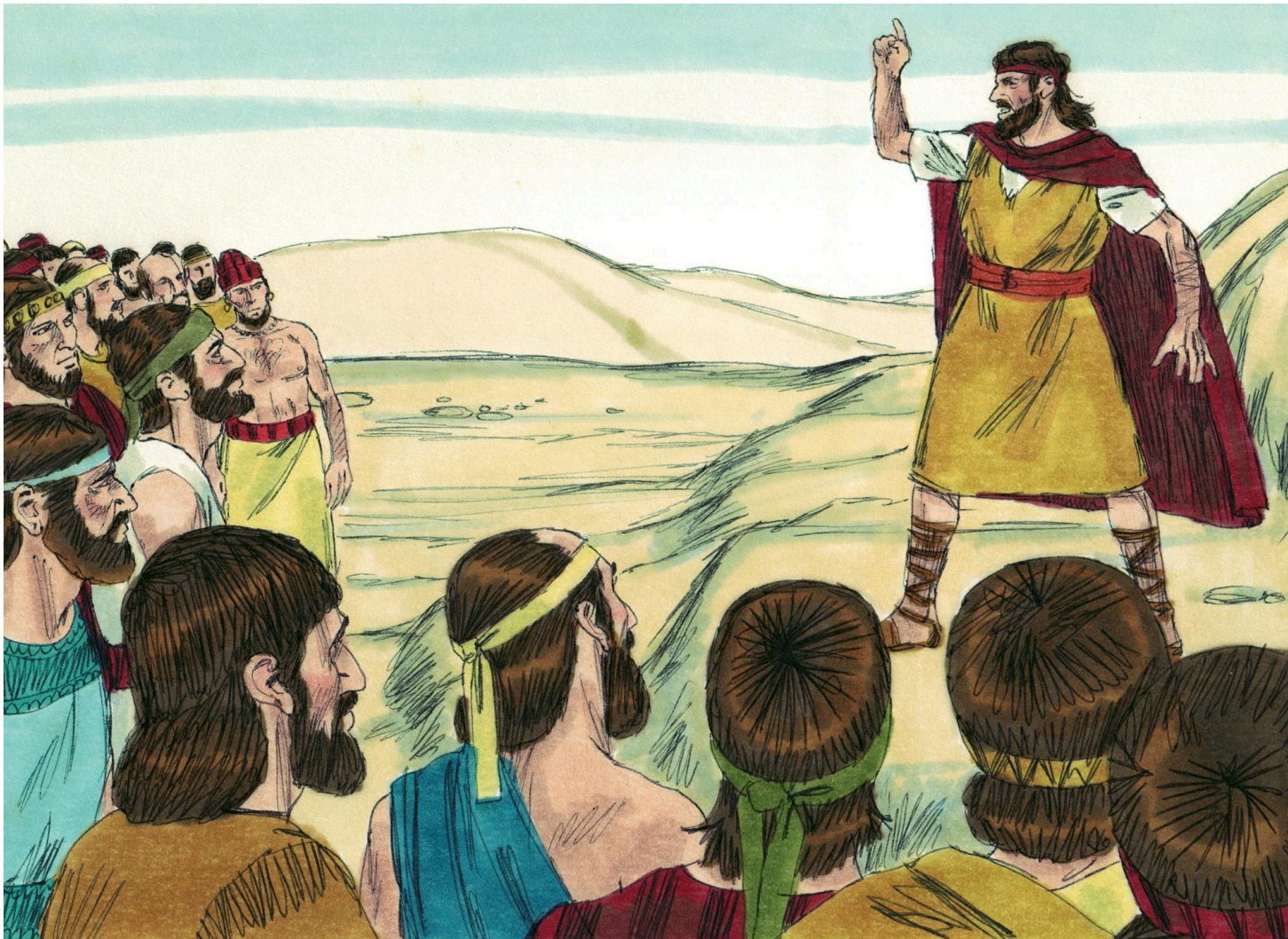


# एलिया औज़ि बाल देबता रै पुज़ारी





# एलिया औज़ि बाल देबता रै पुज़ारी

Bangani  
uttarkashi, uttrakhand, india



[Needs Copyright](#)



<http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/>

You are free to make commercial use of this work. You may adapt and add to this work.

You must keep the copyright and credits for authors, illustrators, etc.

Big Book in Bangani language

Orange Level Book

परकाशण:-

NLCI

बंगाणी मसी समिति समू

## दो बात

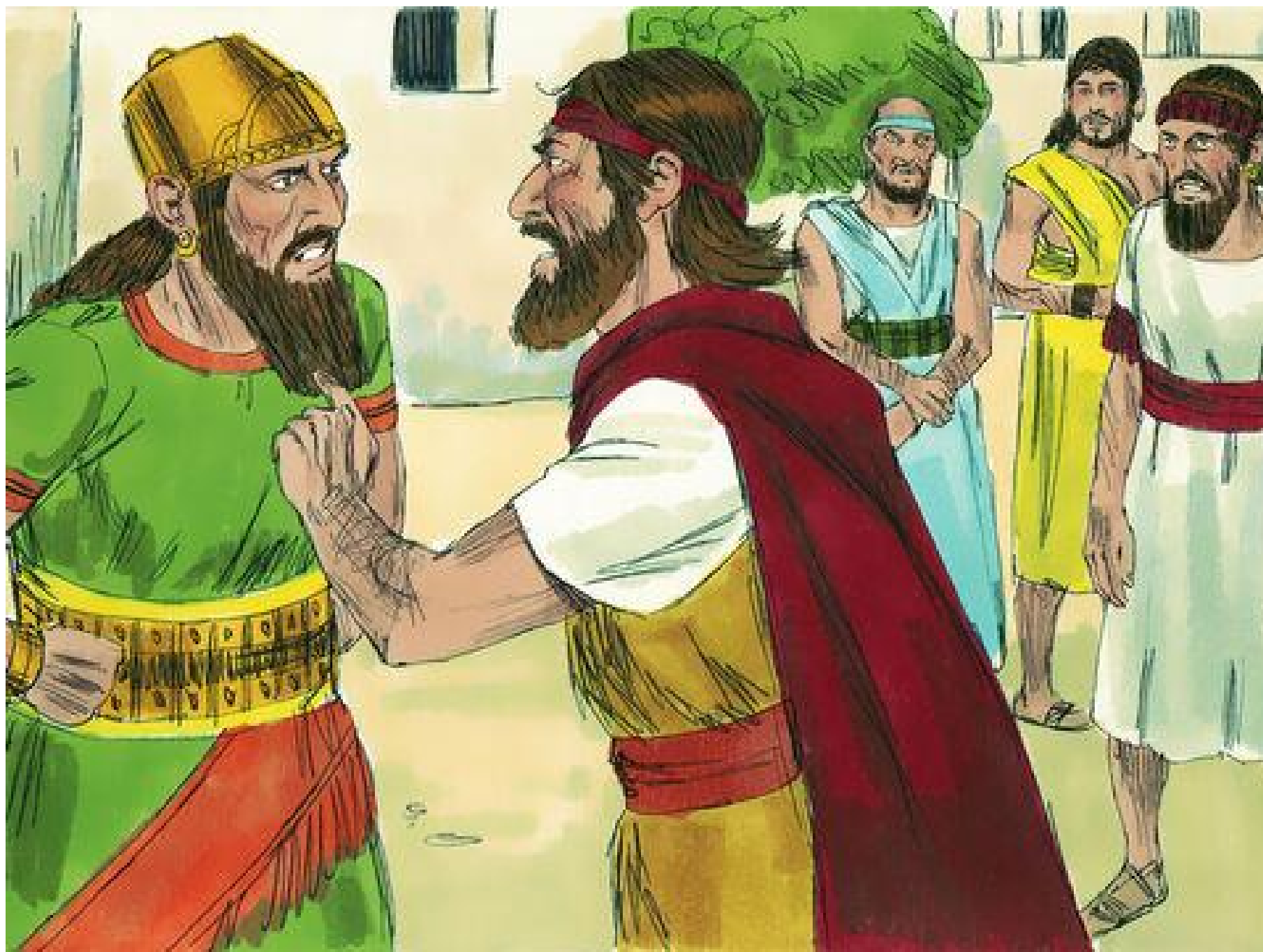
हम बंगाणी क्षेत्र में साक्षरता कार्यक्रम चला रहे हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ना लिखना सीख सकें। उसी आधार पर इस किताब को भी तैयार किया गया है। यह एक कहानी की किताब है। जिसमें एलिया और बाल देवता के पुजारी के बारे में बहुत ही सरल रीति से बताया गया है। इस कहानी को हमने अपनी मातृभाषा में ही तैयार किया है जिससे वह इस कहानी को आसानी से समझ सके। और अपनी मातृभाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास भी कर सकें।







ਜ਼ੌ ਇਸ਼ਾਇਲ ਦੀ ਅਕਾਲ ਰੌ ਥੌ ਪੌੜੀ, ਤੈਬੈ ਤੇਤਕੈ  
ਰੈ ਲੋਗੁ ਰੀ ਹਾਲਤ ਬਿਗੜੀ ਗੋਇ ਥੀ, ਔਜ਼ਿ ਤੇਤਕੈ  
ਨੌਇ, ਖੌਏ ਔਜ਼ਿ ਕੁਵੌ ਸਾਰੈ ਸੁਕੀ ਗੋਏ ਥੈ।  
ਅਕਾਲ ਰੈ ਚੀਜੈ ਸਾਲ ਦੀ ਪਰਮੇਸ਼ਵਰੇਏ ਏਲਿਆ  
ਆਰੀ ਬੋਲੌ ਕਿ ਦੇਖ ਏਬੈ ਆਊਂ ਜ਼ੌਡ ਲਾਊ, ਤੂ  
ਅਹਾਬ ਰਾਜ਼ਾ ਕਾਇ ਡੇਊ।





एलियाइ परमेश्वर री बात मानियौ राज़ा अहाब  
काई डैअ, सेजै बौक्ते दि शोमरोन शैर दि बौरी  
अकाल पौड़ौ, तै राज़ा अहाबेइ एलिया देखौ  
औज़ि बोलौ, तू सेउइ, तेरी बौजै कौइ इस्राइल  
रै लोगु री हालत बिगड़ी।

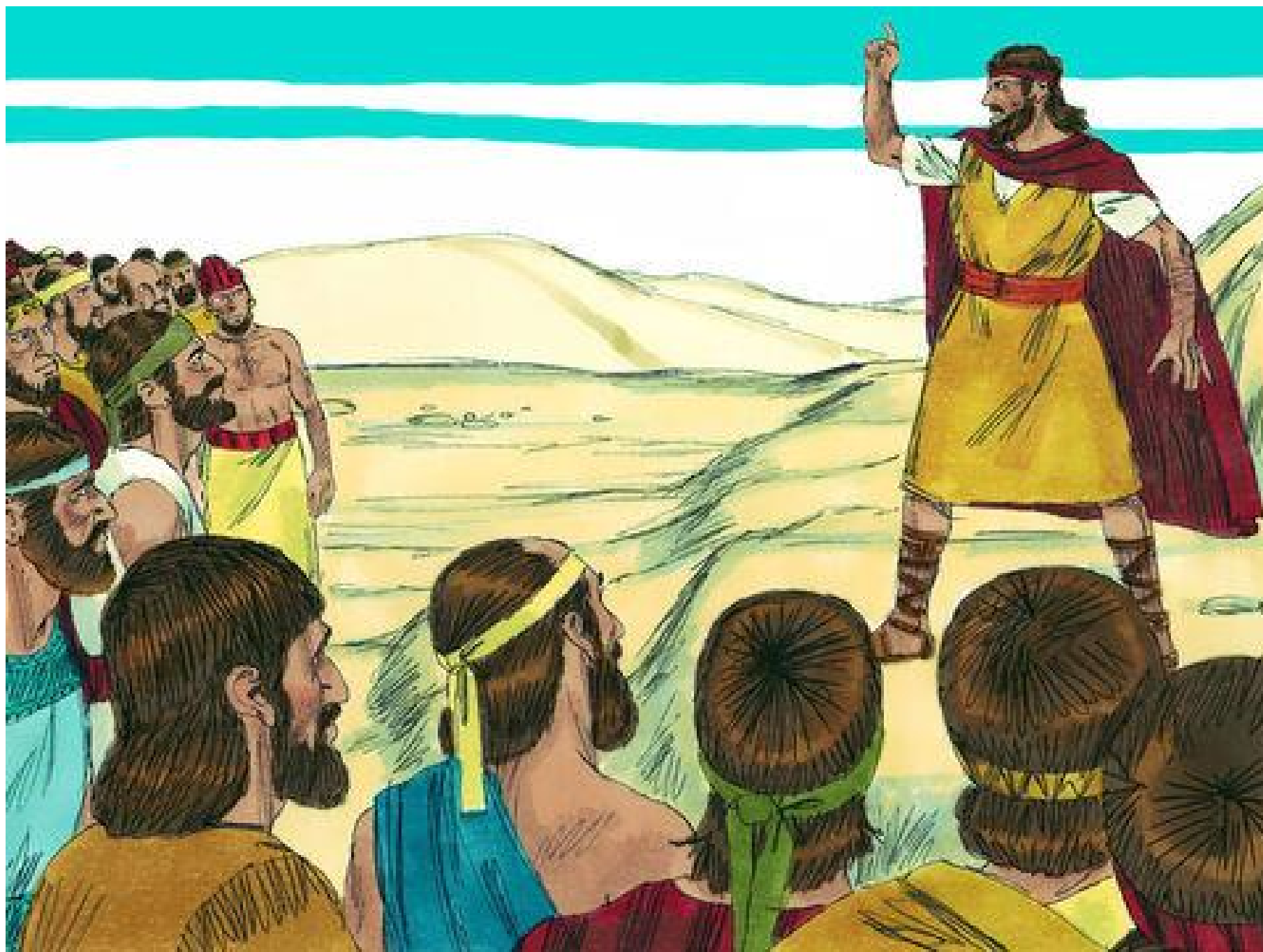


तैबै एलियाइ बोलौ, ऐ हालत मेरी बौजै कौइ ना  
बिगड़ी, पर तेरै औजि तेरी परिवार री बौजै कौइ  
इस्राइल री ऐ हालत बिगड़ी, औजि तुमु  
सौचै परमेश्वर री उपासना छोड़ियौ बाल  
देबताऊँ री पुजा कौरदै लागै, तुमु सारै लोगु कै  
एशौइ शिकाओन्दौ।

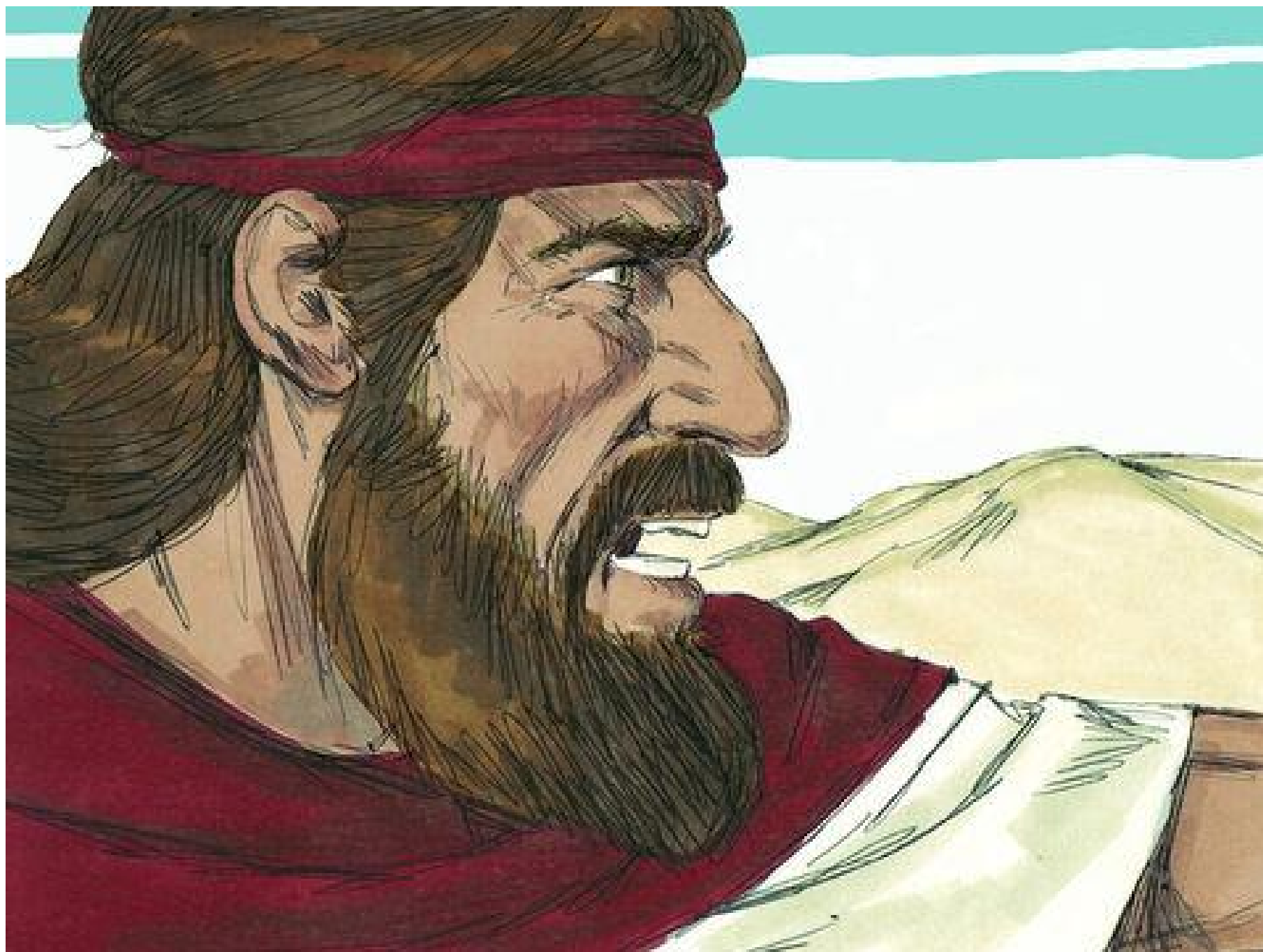




एलियाइ राज़ा आरी बोलौ, ऐबै तू एशौ कौर  
आपड़ै सारै लोगु औज़ि बाल देबता रै सारै 450  
पुज़ारिऊं गीणियौ करमेल डान्डै माइं कौठै  
कौर। तेत्कै तुम्कै पौतौ लागै लौ कि सौचौ  
परमेश्वर कूण।



तैबै राज़ाइ एलिया री बुशै मानी, औज़ि आपड़ै  
सारै इस्राइली लोग औज़ि बाल देबता रै पुज़ारी  
गीणियौ करमेल डान्डै माइं कौठै कौरै। तैबै  
एलियाइ सारै लोगु आरी बोलौ, कि तुमै केत्रा  
ज़ौऊं रौयैण दूइ बिचारुन्दी फौशी।



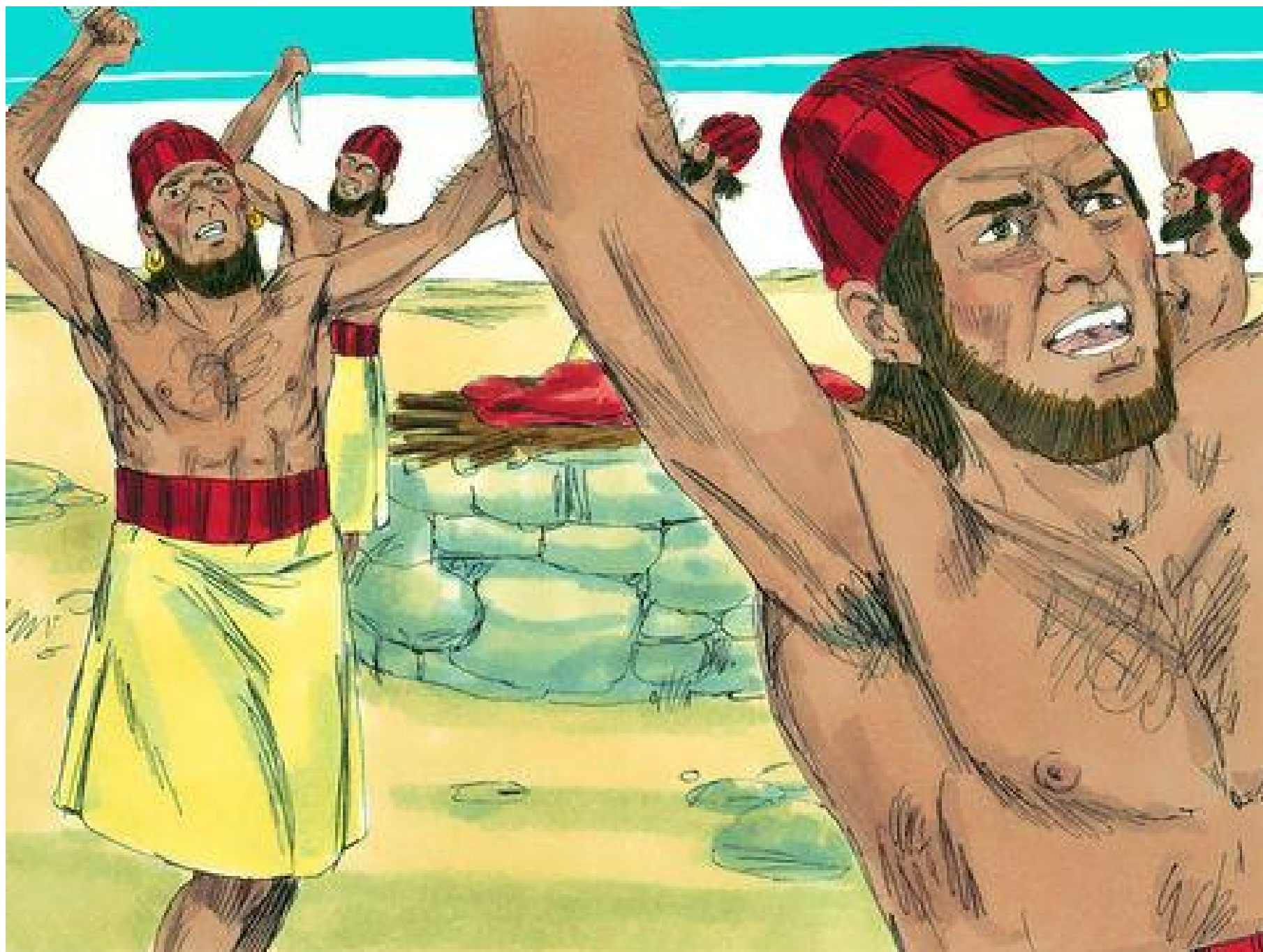
अगर परमेश्वर सौचौ, तै तेसरी पौछौणिकै  
चालौ, अगर तुमारौ बाल देबता सौचौ तै तेसरी  
पौछौणिकै चालौ, पर तिउं कुछ बी ज़बाब ना  
देणौ। तैबै एलियाइ बोलौ कि देखौ परमेश्वर री  
पौशै कौइ आऊँ एखुलियाइ पर एत्कै बाल  
देबता री पौशै कौइ तुमै 450 पुज़ारियै।







तैबै एलियाइ बाल देबता रै पुजारी आरी बोलौ,  
औगौणिकै तुमै एक बाकरेइ बळी चौड़ाणेखी  
तियार कौरौ, तै तेस लाकड़ौं माइं थौऊ,  
केलाकि तुमै बौरी जौणै, तैबै तुमै आपड़ै देबता  
कौइ प्राथना कौरौ पर आग ना लाइयौ। औजि  
आऊं बी तेशौइ कौरु, पर जुणजौ आग लाइयौ  
जबाब दैलौ सेउइ सौचौ परमेश्वर औयै लौ।

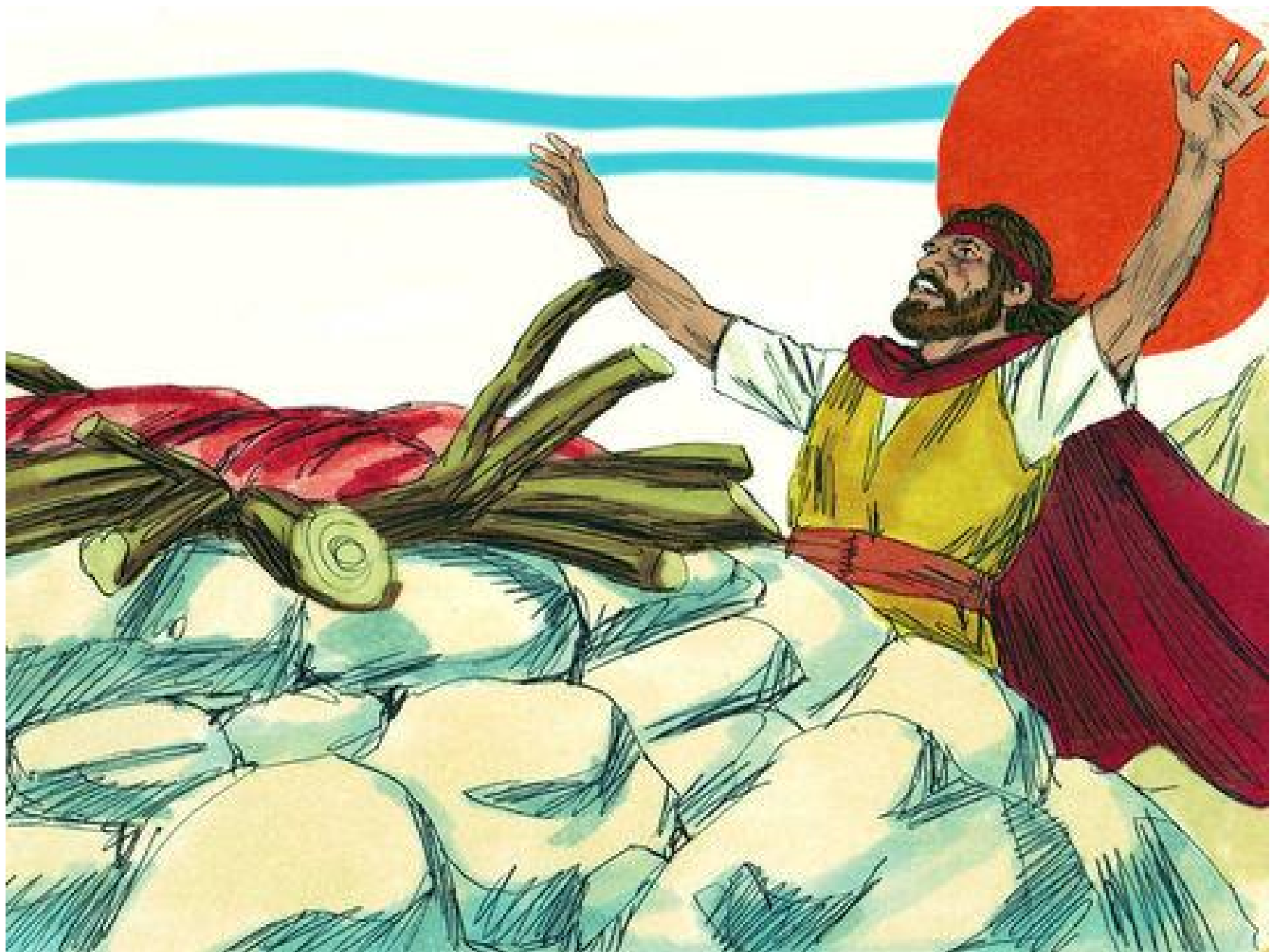


तैबै बाल रै पुज़ारिएइ बळी चौड़ाणेखी बेदी  
चाणी, औज़ि जुण्जौ बाकरौ तिउंके देणौन्दौ थौ,  
तिउं सेऊ बाकरौ बळी चौड़ाणेखी तियार कियौ,  
पर आग ना लाइ, राती कौइ दूसै ज़ौऊं सै सारै  
ज़ौणै बाल देबता कौइ प्राथना कौरदू रौए।

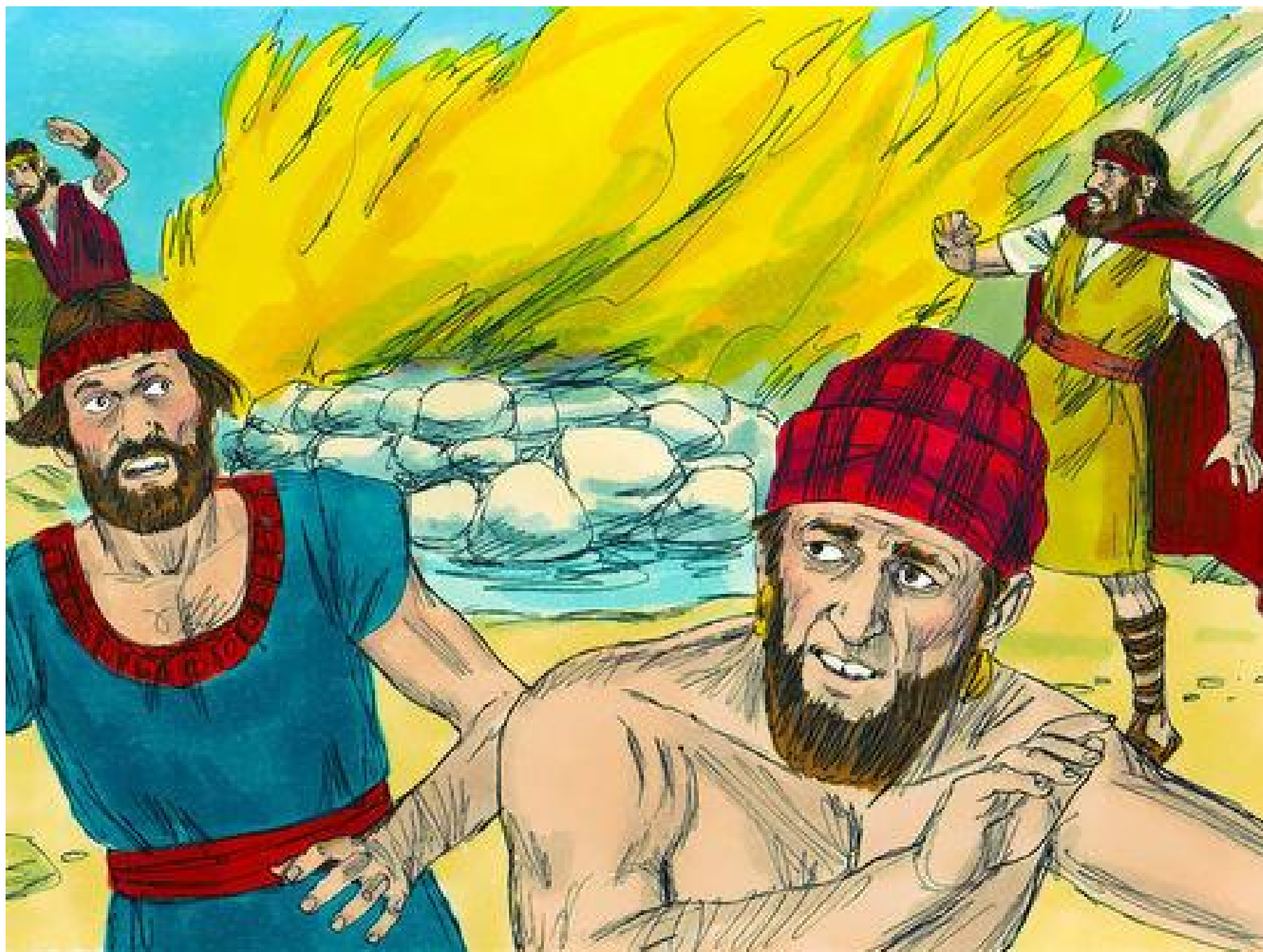


बाल देवता रै पुजारी एशौ प्राथना रौयै थै कौरदै  
लागी ए बाल देवता आमारी शुण - ए बाल  
देवता आमारी शुण, पर तिउँकै कोई बी ज़बाब  
ना मिलौ, तैबै तिउँ बेदी रै सामणै नाचियौ छुरी  
कौइ आपड़ौ शरीर खुनी खुन कौइ चाणौ। पर  
नातै तिउँकै कोई आवाज़ शुणूइं ना कोई बी  
ज़बाब मिलौ।

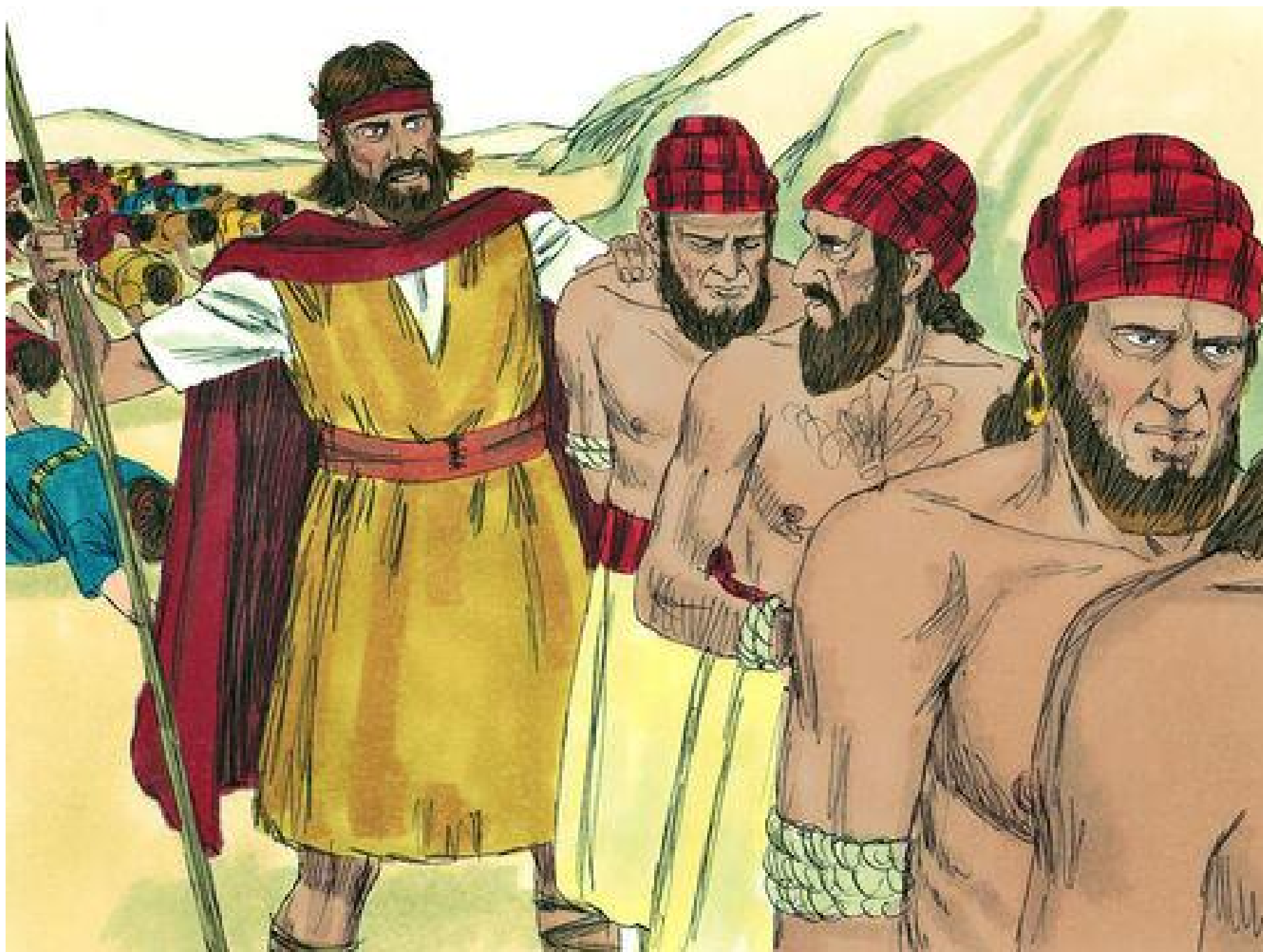




तैबै एलियाइ परमेश्वर केखी एक बेदी चाणी,  
तीं बेदी माइं बळी थौइ। पर तिणी पुरी बेदी  
पाणी कौइ बौरी तैबै एलियाइ परमेश्वर कौइ  
प्राथना की ए परमेश्वर तू मुकै ज़बाब दै, ताकि  
ऐ सारै लोग ज़ाणै लै कि तुई सौचौ परमेश्वर  
औज़ि आऊं तेरौ दास।



तैबै परमेश्वरेइ एलियाइ री प्राथना शुणियौ  
गौइणी कौइ आग छाड़ी। तै बळी, लाकड़ै,  
औज़ि बेदी, सारी ज़ळियौ खतम ऊइ। औज़ि  
तेत्कै सारौ पाणी पोरु शुकौ, एशौ देखियौ सारै  
ज़ौणै हैरान उवै, तैबै तिउँ परमेश्वर री महिमा  
कौरियौ बोलौ कि यहोबा ई सौचौ परमेश्वर ।





तेतबासियै एलियाइ बाल देबता रै सारै पुजारियै  
पाकड़ियौ पोरु जौंगायै, तैबै एलियाइ राज़ा  
आरी बोलौ, तू आपड़ै मैहल दी डेऊ, केलाकि  
बौरी तेज़ जौड़ लागणै वाळौ। तैबै राज़ा आपड़ै  
मैहल रखी डैअ, तै बौरी तेज़ जौड़ लागौ।



बौक्त खतम औन्दु रौ परमेश्वरेइ एलिया रौ  
इस्तेमाल कौरियो बौडै – बौडै काम कौरायै,  
तैबै परमेश्वरेइ एलिया जिउँदियाई स्वर्ग खी  
टिपौ, एशेशौ कौइ एलिया आपड़ी जीन्दगी बर  
इस्राइल दी बिश्वास लाइक रौ।

## For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.



यह किताब NLCI संस्थान के द्वारा तैयार की गई है।

हम मातृभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें। और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मातृभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मातृभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मातृभाषा में वयस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मातृभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे की बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मातृभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

.....धन्यवाद.....



This book was created with some Bloom Enterprise features enabled at no cost in order to support projects solely funded by the local community.